(दो) सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निर्यात शल्क वापसी (सामान्य) 59वां संशोधन नियम, 1967 जो दिनांक 18 नवम्बर, 1967 के भारत के राजपत्र 1967 में अधिसूचना संख्या जी० एस० आर० 1728 में प्रकाशित हुए थे ।

(तीन) सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निर्यात शुल्क वापसी (सामान्य) 60वाँ संशोवन नियम, 1967, जो दिनांक 18 नवम्बर, 1967 को भारत के राजपत्र में अविसूचना संख्या जी० एस० आर० 1729 में प्रकाशित हुए थे। **[पुस्तकालय में रखी गयी देखिए संख्या एल० टी० 1796/67]**

दक्षिण यमन के लोकतंत्रात्मक गणराज्य की स्वाधीनता के बारे में वक्तव्य

STATEMENT RE: INDEPENDENCE OF THE PEOPLES REPUBLIC OF SOUTH YEMEN

प्रधान मंत्री, आण्विक शक्ति मंत्री, योजना मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : सवा सौ साल से भी अधिक समय तक उपनिवेशी अधिराज्य बने रहने (कॉलोनियल डोमिनेशन) के बाद आज दक्षिण अरब का एक स्वतंत्र राष्ट्र—दक्षिण यमन का लोक गणतंत्रात्मक गणराज्य— के रूप में अभ्युदय हुआ है। इस शुभ अवसर पर हम इस नई राज्य की सरकार तथा उसकी जनता को बधाई देते हैं और उनके प्रति अपनी शुभकामनाएँ प्रकट करते हैं। इसके साथ-साथ हम उन स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों को भी, जिन्होंने अपनी देश के स्वतंत्रता-संग्राम के दौरान अपने जीवन की आहुतियाँ दी हैं, अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

भारत तथा दक्षिण अरब के बीच शताब्दियों से घनिष्ठ तथा मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध रहे हैं, भारत सरकार इस नए राज्य के साथ अपने सम्बन्धों को और आगे मजबूत करने तथा उसे ऐसी आर्थिक तथा तकनीकी सहायता, जिसे हम दे सकते हैं और जिसकी उन्हें आवश्यकता हो, देने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहेगी।

भारत सरकार ने दक्षिण यमन की लोक गणातंत्रात्मक सरकार को मान्यता प्रदान की है और हमारा अभिप्राय अदन स्थित हमारे आयुक्तावास को राजदूतावास में परिवर्तित करने तथा वहाँ एक रेजीडेन्ट राजदूत नियुक्त करने का है।

पश्चिम बंगाल की स्थिति के वारे में वक्तव्य

STATEMENT RE: SITUATION IN WEST BENGAL

गृह-कार्य मंत्री (श्री यशवन्त राव चव्हाण) : पश्चिम बंगाल विधान सभा के अध्यक्ष ने कल विधान-सभा को अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित करते हुए अन्त में कहा कि मुझे कुछ और समय की जरूरत है और केवल तभी मैं उन गम्भीर मामलों पर, जो खतरे में हैं, सोच विचार कर अपनी परिपक्व विनिर्णय दे सकता हूँ। अपना अन्तिम फैसला रिजर्व रखते हुए भी, अध्यक्ष ने कई मामलों/विवादों पर अपने विचार व्यक्त किए हैं।